Roll No. ..... Total Printed Pages - 6

F - 3104

B. A. (Part - I) Examination, 2022
(New Course)
Hindi Literature
Paper Second
(हिन्दी कथा साहित्य)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks:75*

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **21**

(क) यह मैं नहीं कहती कि भोग - विलास से मेरा जी भर गया या गहने - कपड़े से मैं ऊब गयी, या सैर-तमाशे से मुझे घृणा हो गयी। यह सब अभिलाषाएँ ज्यों- की त्यों हैं। पुरूषार्थ से, अपने परिश्रम से, सदुद्योग से उन्हें पूरा कर सको, तो क्या कहनाः लेकिन नीयत खोटी करके, आत्मा को कलुषित करके एक लाख भी लाओ, तो मैं ठुकरा दूँगी।

अथवा

वह इतनी विचारशील है, उसने अनुमान ही न किया था। वह उसे वास्तव में रमणी ही समझता था। अन्य पुरूषों की भाँति वह भी पत्नी को इसी रूप में देखता था। वह उसके यौवन पर मुग्ध था। उसकी आत्मा का स्वरूप देखने की चेष्टा ही नहीं की। अगर वह रूप-लावण्य की राशि न होती, तो कदाचित् वह उससे बोलना भी पसन्द न करता। उसका सारा आकर्षण, उसकी सारी आसक्ति केवल उसके रूप पर थी।

(ख) जिस समाज में रात-दिन मेहनत करने वालों की हालत उनकी हालत से कुछ बहुत अच्छी न थी और किसानों के मुकाबले में वे लोग, जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना जानते थे, कहीं ज्यादा सम्पन्न थे, वहाँ इस तरह की मनोवृत्ति का पैदा हो जाना कोई अचरज की बात न थी। हम तो कहेंगे घीसू किसानों से कहीं ज्यादा विचारवान था और किसानों के विचार - शून्य समूह में शमिल होने के बदले बैठकबाजों की कुत्सित मण्डली में जा मिला था।

अथवा

''आज सिरचन को मुक्तखोर या चटोर कह ले कोइ। एक समय था, जब उसकी मढ़ैया के पास बड़े-बड़े लोगों की

सवारियाँ बँधी रहती थीं। उसे लोग पूछते ही नहीं थे, उसकी खुशामत भी करते थे। अरे सिरचन भाइ! अब तो तुम्हारी ही हाथ में कारीगरी रह गई है सारे इलाके में। एक दिन का समय निकालकर चलो।''

(ग) गनी ने कुएं की सिल पर बैठकर कहा, 'देख रक्खे पहलवान' क्या से क्या हो गया है? भरा-पूरा घर छोड़कर गया था और आज यहाँ यह मिट्टी देखने आया हूँ। बस घर की आज यही निशानी रह गयी है। तू सच पूछे, तो मेरा यह मिट्टी भी छोड़कर जाने को मन नहीं करता।' और उसकी आँखें फिर छलछला आयीं।

अथवा

कायर! भैया तेरा मरा, कारज किया बेटे ने और फिर जब सब हो गया, तब तू मुझे रखकर घर नहीं बसा सकता था। तूने मुझे पेट के लिए पराई इ्योढ़ी लॅघवाई। चूल्हा मैं तब तूने मुझे पेट के लिए पराई इ्योढ़ी लॅघवाई। चूल्हा मैं तब फूँ कूँ जब मेरा कोई अपना हो। ऐसी बाँदी नहीं हूँ कि मेरी कुहनी बजे, औरों के बिछिया झनके। मैं तो पेट तब भरूँगी, जब पेट का मोल कर लूँगी। तब न सोचा, जब तेरी गदल को बहुओं ने आँखें तरेर कर देखा। अरे, कौन किसकी परवाह करता है?

2. कथासम्राट प्रेमचंद ने 'गबन' उपन्यास में किन समस्याओं को

प्रमुखता से उठाया है? विवेचना कीजिए। **12**

अथवा

'गबन' उपन्सास के कथ्य पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

3. गुलशेर खाँ शानी कृत 'जली हुई रस्सी' कहानी के कथ्य पर प्रकाश डालिए। **12**

अथवा

'चीफ की दावत' कहानी के आधार पर शामनाथ की चारित्रिक विशेषताओं को रेखांकित कीजिए।

4. निम्नलिखित में से **<u>किन्हीं पाँच</u>** प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए, **प्रत्येक 3**

(1) शिवानी की कहानी में 'नारी मनोभाव'।

(2) उपेन्द्रनाथ अश्क का जीवन परिचय।

(3) दक्षिण भारतीय हिन्दी रचनाकारों में बालशौरि रेड्डी का स्थान।

(4) भारतीय कथा का युग-संचरण।

(5) अच्छी कहानी के सूत्र।

(6) उपेंद्रनाथ अश्क का कथा - साहित्यः संक्षिप्त परिचय।

(7) बालशौरि - रेड्डी की रचनाओं का महत्व।

5. निम्नलिखित में से <u>किन्हीं पन्द्रह</u> वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिएः **प्रत्येक 1**

(1) जालपा किस आभूषण से अत्यधिक प्रेम करती थी?

(2) चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' की चर्चित कहानी का नाम लिखिए।

(3) पश्चिमी कहानी की प्रमुख विशेषता क्या मानी जाती है?

(4) 'आकाशदीप' कहानी की नायिका का नाम बताइए।

(5) 'लकुमा' किस विधा की रचना है?

(6) घीसू और माधव को बुधिया के कफन हेतु कितने रूपये मिले थे?

(7) 'सरस्वती' पत्रिका का सम्पादन छत्तीसगढ़ के किस साहित्यकार ने किया है?

(8) 'ऋणमुक्ति' किसकी कहानी है?

(9) प्रेमचंद उर्दू में किस नाम से साहित्य - लेखन करते थे?

(10) हिन्दी की पहली कहानी के लेखक कौन हैं?

(11) उपेन्द्रनाथ अश्क का जन्म कब हुआ?

(12) गदल ने किससे पुनः विवाह किया?

(13) फणीश्वर नाथ रेणु कृत आंचलिक कहानी का नाम बताइए।

(14) 'परदा' कहानी के लेखक कौन हैं?

(15) 'तेलुगू साहित्य का इतिहास' के रचयिता का नाम लिखिए।

(16) गनी मियाँ किस कहानी का पात्र है?

(17) 'जुदाई की शाम का गीत' किस कथाकार की रचना है?

(18) पाठ्यक्रम में संकलित गुलशेर खाँ शानी की कहानी का नाम लिखिए।